दिव्य आकाश

सफलता के 16 वर्ष पूर्ण 16th दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष 17, अंक-01 | बैशाख कृष्ण अष्टमी (शीतलाष्टमी) विक्रम संवत् 2083 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 10 से 16 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00/-

सुविचार

सपने बड़ा देखेंगे, तो लक्ष्य भी बड़ा होगा और इसे पूरा करने के लिए काम भी बड़े करने होंगे।

3 महीने के लिए जेल से बाहर आएंगे अमित बघेल

बिलासपुर, एजेंसी।

अग्रवाल और सिंधी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी रेगुलर बेल खारिज कर दी है, लेकिन अंतरिम बेल पर वे 3 महीने के लिए जेल से बाहर आएंगे। दिसंबर 2025 में उनकी गिरफ्तारी हुई थी।

अमित बघेल के वकील हर्षवर्धन परगनिया का कहना है कि, उन्हें 3 महीने के लिए अंतरिम बेल मिली है। जबकि आपत्तिकर्ता के वकील सुनील ओटवानी का कहना है कि, नियमित जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की है। अमित बघेल को 3 महीने का पैरोल दिया गया है।

रिश्वत: कांस्टेबल एवं एएसआई सस्पेंट

राजनांदगांव, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से थाने के भीतर रिश्वत लेने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक कॉन्स्टेबल पैसे लेते नजर आ रहा है, जबकि सामने बैठा एएसआई मोबाइल पर एक महिला की तस्वीर को जूम कर देखता दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद एसपी अंकिता शर्मा ने दोनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। एएसआई रोहित खूंटे पर वर्दी में न रहने और पुलिस की छवि खराब करने के आरोप में कार्रवाई हुई, जबकि कॉन्स्टेबल लक्ष्मी शंकर कंवर पर रिश्वत लेने के आरोप में एक्शन लिया गया। मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है।

19 अप्रैल को नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा का स्थापना दिवस

प्रख्यात अभिनेत्री मंदाकिनी आएंगी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

10 वर्ष पूर्व कोरबा शिक्षा जगत के लिए एक एतिहासिक दिन था, जब जिले के वनांचल क्षेत्र कोरबा-चाम्पा मार्ग खरहरकुड़ा (मड़वारानी) में एक ऐसे विद्यालय का अभ्युदय हुआ, जो ग्रामीण एवं गरीब बच्चों का भविष्य सुधारने का बीड़ा उठाया और सर्वोत्कृष्ट अंग्रेजी सीबीएसई माध्यम से शिक्षा देने लगा। आज यह विद्यालय कोरबा जिले का ही नहीं बल्कि प्रदेश का सर्वोत्कृष्ट विद्यालयों में शुमार है और वटवृक्ष की तरह अपनी छाया में हजारों ग्रामीण एवं निर्धन बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना रहा है। नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा को कोरबा के जानेमाने समाजसेवी एवं उद्योगपति पीएमजेएफ लायन राजकुमार अग्रवाल एवं उनकी टीम ने इस विद्यालय को सींचा और क्षेत्र की शैक्षणिक उन्नति का अद्भूत मिशाल पेश किया। सर्वशिक्षा विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा यहां हजारों बच्चों का भविष्य गढ़ा जा रहा है। शिक्षा के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों ने इस विद्यालय की पहचान को पुख्ता किया, जिसके कारण इस विद्यालय को 07 स्टार रैटिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया।

19 अप्रैल 2026 को यह विद्यालय अपना 10वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है, जिसमें बालीवुड की प्रख्यात अभिनेत्री एवं राम तेरी गंगा मैली... फेम मंदाकिनी को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है और वे 19 अप्रैल को कोरबा के इस भव्य कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को और भी भव्यता प्रदान करेंगी और बच्चों के साथ 10वां स्थापना दिवस को सेलिब्रेट करेंगी।

विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय के 10वां स्थापना दिवस को 19 अप्रैल 2026 रविवार को भव्यता से मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें बालीवुड की प्रख्यात अभिनेत्री मंदाकिनी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में क्षेत्र की प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाएगा।

स्थापना दिवस में कई जानी मानी हस्तियां होंगी शामिल

विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी एवं कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशिल्या देवी साय को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व सांसद सुश्री सरोज पाण्डेय, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी, जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, नगर पालिका बांकीमोंगरा उपाध्यक्ष गायत्री कंवर सहित कई लायन दिग्गज उपस्थित रहेंगे।

इज़राइल का तीखा हमला:'पाकिस्तान पर भरोसा नहीं, आंतकवाद फैलाने वाला क्या करवाएगा शांति वार्ता

तेहरान, एजेंसी।

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम शांति वार्ता से पहले बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान 'आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश' है, इसलिए उस पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इज़राइल इस मामले में अपने अमेरिकी सहयोगियों पर निर्भर करेगा। दरअसल, पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बातचीत होने वाली है। इस बैठक का मकसद हाल ही में हुए दो हफ्ते के सीजफायर को मजबूत करना और स्थायी शांति का रास्ता निकालना है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने भारत की तारीफों के बांधे पुल

मिडिल ईस्ट जंग के बीच भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर एक सकारात्मक संदेश सामने आया है। ईरान के साथ युद्ध विराम दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD Vance ने कहा है कि दोनों देश एक-दूसरे के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं और उनकी साझेदारी बेहद मजबूत हो सकती है। नई दिल्ली स्थित US Embassy in India ने वेंस के इस बयान को साझा किया।

सरगुजा में किसान सम्मेलन में शामिल हुए सीएम साय, बोले-किसानों की चिंता कर रही हमारी सरकार

सरगुजा।

सीएम विष्णु देव साय गुरुवार को सरगुजा जिले के लुंड्रा में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। छत्रपति शिवाजी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 281 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की चिंता कर रही है। हम किसानों का धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीद रहे हैं।

किसानों से किए गए वादे सरकार ने पूरे किए। अन्नदाताओं के पसीने का सम्मान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं की जाएगी। आप सबने हम पर विश्वास जताया है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम आखिरी पंक्ति के आखिरी व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचें, योजनाओं का लाभ उन्हें समय पर मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने बताया कि 12-13 साल बाद कोई मुख्यमंत्री यहां आया है। इससे पहले चऊर वाले बाबा के नाम से विख्यात डॉ. रमन सिंह आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं शादी से पहले यहां आता था। धौरपुर के थाने में मेरे ससुर रहते थे। यह क्षेत्र मेरे लिए जाना-पहचाना है।

हमारी सरकार ने किसानों की चिंता की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, हमारी सरकार ने जितनी किसानों की चिंता की है, उतनी पहले के सरकारों ने नहीं की। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया। पहले किसानों को खेती करने के लिए कर्ज लेना पड़ता था। साल के अंत में किसानों को ब्याज में काफी रुपए चुकाना पड़ता था।

सीएम साय ने कहा कि, किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है। पहले बैंकों में ब्याज 18 प्रतिशत देना पड़ता था। रमन सिंह ने इसे 7-8 प्रतिशत कर दिया। आज पीएम नरेंद्र मोदी किसान सिंचाई योजनाएं शुरू की। इससे किसानों को जरूरत का पानी मिल रहा है।

सीएम ने कहा कि भाजपा ने मोदी की अधिकांश गारंटी को दो साल में पूरा किया है। हमने सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए और इनमें 8 लाख आवास बन भी गए।

सीएम ने कहा कि बस्तर 40 साल से अधिक नक्सलवाद से पीड़ित था। सरगुजा में भी नक्सली थे, लेकिन रमन सिंह की सरकार में यह क्षेत्र नक्सलवाद से मुक्त हुआ। अब बस्तर का भी विकास तेजी से होगा।

मंत्री रामविचार नेताम ने किसान हित के लिए सरकार द्वारा किए जा प्रयासों की जानकारी दी और कहा कि किसान सिर्फ धान पर आश्रित न रहें। उन्होंने ग्रीष्म कालीन धान की फसल न लेने की अपील की, क्योंकि इसमें अधिक पानी लगता है। नेताम ने कहा कि किसान धान के अलावे तिलहन व दलहन की फसल लगाएं। मछली पालन, पशु पालन से जुड़कर अपनी आय बढ़ाएं।

स्टेडियम, सड़क निर्माण की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधायक की मांग पर लुंड्रा में भव्य स्टेडियम, सड़क निर्माण, सहकारी समिति सहित अन्य कार्यों की घोषणा की है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम को सांसद चिंतामणि महाराज एवं विधायक प्रबोध मिंज ने भी संबोधित किया। प्रबोध मिंज ने क्षेत्र के विकास के लिए कई मांगें रखीं।

मुआवजे और भेदभाव के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे अमगांव के ग्रामीण

मृत मवेशियों के साथ SECL कार्यालय के घेराव की दी चेतावनी

कोरबा/गेवरा (दिव्य आकाश)।

एस.ई.सी.एल. गेवरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमगांव के रोहिदास मोहल्ला के दलित परिवारों ने प्रबंधन पर गंभीर भेदभाव और हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए उग्र आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। पिछले 3 वर्षों से लंबित मुआवजे और पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आज मुख्य महाप्रबंधक (CGM) को ज्ञापन सौंपकर सात दिनों का अल्टीमेटम दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि उनकी भूमि और संपत्तियों का अर्जन वर्ष 2004 में ही किया जा चुका है। वर्ष 2023 में मूल्यांकन और नापी की प्रक्रिया पूरी कर पावती भी दी जा चुकी है, लेकिन प्रबंधन द्वारा जानबूझकर भुगतान रोका गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मोहल्ले के अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों को मुआवजा और बसाहट की सुविधा मिल चुकी है, लेकिन रोहिदास समुदाय (दलित वर्ग) के परिवारों को इससे वंचित रखा गया है, यह सीधे तौर पर जातिगत आधार पर शोषण का मामला है। उन्होंने बताया है कि इससे पहले भी इस ग्राम पंचायत के 124 परिवारों को भी अपात्र बताकर मुआवजा से वंचित करने का प्रयास किया जा चुका है ।

उन्होंने बताया कि एसईसीएल के अधिकारी बता रहे हैं कि वर्ष 2023 में मूल्यांकन टीम ने नापी सर्वे किया था, जिसमे 30 परिवार के मकान शामिल था और यह मुहल्ला अमगांव का है या हरदीबाजार का इसकी जांच के लिए राजस्व विभाग के पास लंबित है, जब तक तहसील कार्यालय से आदेश जारी नही किया जाता, आगे की प्रक्रिया पूरी नही किया जा सकता। इस तरह से एसईसीएल और एसडीएम कार्यालय के बीच एक दूसरे के पाले में गेंद खेली जा रही है और उनका समस्या का समाधान नही हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल हम दलितों के साथ ही ये भेदभाव किया जा रहा, बाकी अन्य लोंगो को उनका मुआवजा और पुनर्वास प्रदान कर दिया गया है।

प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन यह नहीं चाहता कि हम अपने परम्परागत कार्य से ऊपर उठकर कुछ कार्य सकें, इसलिए हम अब आंदोलन की राह में जाने के लिए मजबूर हैं। यदि एक सप्ताह के भीतर मांगें पूरी नहीं हुईं तो ग्रामीण अपने पैतृक व्यवसाय (चर्म कार्य) के प्रतीक स्वरूप मृत मवेशियों के साथ SECL गेवरा कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करेंगे ।

ग्रामीणों ने इस आंदोलन की सूचना जिला कलेक्टर (कोरबा) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व पाली) और थाना प्रभारी (दीपका) को भी प्रेषित कर दी है।

ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि आंदोलन के दौरान होने वाली किसी भी अप्रिय स्थिति, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की संपूर्ण जिम्मेदारी SECL प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की होगी ।

नीलकंठ का डंपर कुसमुंडा खदान के गहरे गड्ढे में गिरा

कोरबा/कुसमुण्डा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले की एसईसीएल कुसमुंडा खदान में 24 घंटे के भीतर दूसरी बड़ी घटना हुई है। नीलकंठ कंपनी का एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरे गड्ढे में गिर गया, जिससे उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल डंपर चालक की पहचान सोनपुरी निवासी भीम पटेल के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों ने उसे खदान क्षेत्र से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही घायल चालक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और उसकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। यह घटना 24 घंटे के भीतर हुई दूसरी दुर्घटना है। मंगलवार सुबह इसी कुसमुंडा खदान क्षेत्र में नीलकंठ साकार जीवी कंपनी के दो डंपर डंप स्लाइड होने के कारण नीचे गिर गए थे।

दोनों ड्राइवर बाल-बाल बचे

हालांकि, उस घटना में दोनों ड्राइवर बाल-बाल बच गए थे। कर्मचारियों का आरोप है कि खदान में सुरक्षा के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जिससे मजदूरों और चालकों की जान जोखिम में रहती है।

घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के कारण खदान कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने खदान प्रबंधन से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है।

बाइक की सीट के नीचे मिला 6 फीट का कोबरा:किक मारते ही फुंकारने लगा, रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के नक्तिखार क्षेत्र में बुधवार रात दीपक एक्का के घर के बाहर खड़ी बाइक की सीट के नीचे करीब 6 फीट लंबा कोबरा सांप मिला। सूचना पर पहुंचे रेस्क्यू टीम ने सावधानी से कोबरा को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

रात करीब 11 बजे जब दीपक एक्का बाइक को घर के अंदर लाने के लिए किक मारने लगे, तो सांप ने फुंकार मारना शुरू कर दिया। पहले उन्हें लगा कि यह बाइक की कोई आवाज है, लेकिन जब सांप फन निकालकर बाहर आया और फुंकारने लगा, तो दीपक डरकर चिल्लाते हुए वहां से भागे।

RCRS टीम को दी गई सूचना

उन्होंने तुरंत घर के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद घर में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना RCRS (Reptile Care and Rescuer Society) की टीम को दी गई। टीम के सदस्य अजय, तिलक और सतेंद्र तुरंत मौके पर पहुंचे।

सीट के नीचे से सुरक्षित निकाला

उन्होंने सबसे पहले सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घर के सभी लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसके बाद अजय ने पूरी सावधानी और कुशलता के साथ कोबरा सांप का सफल रेस्क्यू किया। सांप को बाइक की सीट के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सांप के रेस्क्यू होने के बाद घर के लोगों ने राहत की सांस ली। RCRS टीम ने आम जनता से अपील की है कि यदि आपके घर या आसपास कहीं भी सांप या कोई अन्य वन्यजीव दिखाई दे, तो घबराएं नहीं और न ही उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करें।

कोरबा के टीपी नगर में ट्रांसफार्मर में आग:शॉर्ट सर्किट से लगी, बिजली विभाग ने पाया काबू

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के टीपी नगर से मुड़ापार जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित एक ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। यह घटना पेट्रोल पंप के पास मेन रोड पर हुई। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि ट्रांसफार्मर में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में कुछ घंटों के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया।

ट्रांसफार्मर पर ओवर लोड के कारण अक्सर शॉर्ट सर्किट

स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड होने के कारण अक्सर शॉर्ट सर्किट की घटनाएं होती हैं। मुड़ापार, शारदा विहार और रामनगर जैसे इलाकों में ओवरलोड के चलते बिजली आपूर्ति में व्यवधान आम बात है, जिससे निवासी परेशान रहते हैं।

हेल्पलाइन नंबरपर फोन नहीं उठाया जाता: शिकायत

निवासियों ने शिकायत की है कि बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर और कार्यालय के नंबर पर अक्सर फोन नहीं उठाया जाता या कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। इससे उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह ट्रांसफार्मर मुख्य मार्ग पर स्थित है, जिसके आसपास आवासीय कॉलोनियां, बस्तियां और दुकानें हैं। यदि आग विकराल रूप ले लेती तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

ट्रांसफार्मर में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनके कारण लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रेसवार्ता: द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233सी एवं रीजन में लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल का शिक्षा प्रकल्प मॉडल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लायंस क्लब बालको के आयोजकत्व में कोरबा टीपी नगर स्थित ब्लू डायमंड होटल के कांफ्रेंस हाल में रीजन कांफ्रेंस के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल एवं रीजन चेयरमेन पीएमजेएफ लायन कैलाशनाथ गुप्ता, क्लब अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल, पीडिजी एमजेएफ लायन एमडी माखीजा ने प्रेसवार्ता ली, जिसमें डिस्ट्रिक्ट एवं रीजन में लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल का स्थायी प्रोजेक्ट शिक्षा प्रकल्प नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा को मॉडल बताया और कहा कि लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा छत्तीसगढ़ को सर्वश्रेष्ठ सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम विद्यालय है, जिसे 7स्टार रेटिंग हासिल है, जहां पर कुछ बच्चों को पूर्णतः निःशुल्क एवं ग्रामीण तथा निर्धन बच्चों को काफी कम फीस लेकर उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की जा रही है, जो लायनवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

लायन विजय अग्रवाल ने कहा कि उनके डिस्ट्रिक्ट गवर्नर कार्यकाल में पूरा छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का आधा हिस्सा डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के अंतर्गत आता है और डिस्ट्रिक्ट के अंदर संचालित क्लबों द्वारा शिक्षा, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई स्थायी प्रोजेक्ट सहित सामाजिक सरोकार से जुड़े रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

सारागांव में भी लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा की तर्ज पर खुलेगा विद्यालय

रीजन चेयरपर्सन पीएमजेएफ लायन कैलाशनाथ गुप्ता ने बताया कि रीजन कांफ्रेंस में नया क्लब, लायंस क्लब सारागांव का गठन किया गया है, जिसका शपथग्रहण रीजन कांफ्रेंस में किया गया। लायन गुप्ता ने बताया कि सारागांव में भी लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा की तर्ज पर विद्यालय खोला जाएगा, इसके लिए लायन सदस्य दीपक अग्रवाल ने 03 एकड़ जमीन दान में दी है।

जल संरक्षण, भूख उन्मुलन, स्कूल डेव्हलपमेंट एवं स्वास्थ्य में विशेष काम

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल ने कहा कि द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स 8 क्षेत्रों में काम कर रहा है जिसमें दृष्टि, भूख उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, बचपन का केंसर, मधुमेह नियंत्रण, मानवीय प्रयास एवं आपदा राहत। डिस्ट्रिक्ट में भी इन क्षेत्र में काम किया जा रहा है, लेकिन डिस्ट्रिक्ट में मुख्य रूप से शिक्षा, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर विजन लेकर कार्य किया जा रहा है, जिसमें स्कील डेव्हलपमेंट को भी प्राथमिक्ता से रखा गया है। लायन कैलाशनाथ गुप्ता ने कहा कि रीजन कांफ्रेंस का नाम रखा गया है-काव्या। काव्या हमें संवेदना, मानवता सिखाती है और कविता से एकता एवं सद्भाव का संचार होता है। रीजन कांफ्रेंस का भी यही मुख्य ध्येय है। इस अवसर पर अन्य क्लब, जोन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विभागीय योजनाओं का निरंतर लाभ लेने हेतु एग्रीस्टैक पोर्टल में कराएं फार्मर रजिस्ट्री

कोरबा (दिव्य आकाश)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 में डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन योजना की शुरुआत की गई है। इस मिशन के अंतर्गत एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के माध्यम से देश के सभी किसानों की भूमि का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक खसरे का फार्म आईडी तथा प्रत्येक कृषक के समस्त खसरों का 11 अंकों का फार्मर आईडी तैयार किया जाना अनिवार्य है। किसान एग्रीस्टैक पोर्टल में खसरा जोड़ने की प्रक्रिया स्व-पंजीकरण, समिति के एग्रीस्टैक लॉगिन या लोक सेवा केंद्र के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए ऋण पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर आवश्यक है। एग्रीस्टैक पोर्टल में फार्मर आईडी बनाना विभागीय योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड आदि का लाभ निरंतर प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। किसानों में व्यापक जनजागरूकता के लिए कोटवारों द्वारा मुनादी कराने, ग्राम पंचायतों और समितियों में लंबित किसानों की सूची चस्पा करने तथा कृषक मित्रों के माध्यम से घर-घर सूचना प्रसारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भव्यता और सम्मान का संगम: रीजन 01 की कॉन्फ्रेंस 'काव्या' में 150 से अधिक पदाधिकारी हुए सम्मानित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

रीजन 01 के अंतर्गत एक भव्य एवं गरिमामय रीजन कॉन्फ्रेंस 'काव्या' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व रीजन चेयरपर्सन PMJF लायन कैलाश नाथ गुप्ता ने किया। उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस का नाम अपनी सुपुत्री काव्या के नाम पर रखकर आयोजन को भावनात्मक और प्रेरणादायक स्वरूप दिया।

कार्यक्रम में पूर्व डिस्ट्रिक्ट MJF LION मुरलीधर मखीजा, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर PMJF लायन राजकुमार अग्रवाल, लायन राजेंद्र तिवारी, PMJF लायन शैलेश अग्रवाल एवं वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर PMJF लायन विजय अग्रवाल (डिस्ट्रिक्ट 3233-C) जोन चेयरपर्सन 02 से पुरंजन पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

कॉन्फ्रेंस में रीजन के अंतर्गत आने वाले सभी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। क्षेत्र के सभी लायन क्लबों में से प्रमुख रूप से

Korba: 1.लायंस क्लब कटघोरा छुरी, Lions club Korba Everest ,लायंस क्लब बालको, लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल (मड़वारानी कोरबा), लायंस क्लब कोरबा पावर सिटी जोन चेयरपर्सन जोन 01 MJF पवन अग्रवाल

लायंस क्लब कटघोरा छुरी Lions club Korba Everest, लायंस क्लब बालको, लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल (मड़वारानी कोरबा), लायंस क्लब कोरबा पावर सिटी।

रायगढ़ से लायंस क्लब रायगढ़ सिटी , लायंस क्लब रायगढ़, मिटाउन लायंस क्लब,, रायगढ़ दिव्य ऊर्जा, लायंस क्लब रायगढ़ ,प्राइड लायंस क्लब रायगढ़, कैटलिस्ट मुकेश अंबानी सदस्य उपस्थित रहे और इन सभी क्लबों के पदाधिकारी को विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब सारागांव का शपथ ग्रहण समारोह भी इसी कार्यक्रम में संपन्न हुआ, सभी क्लबों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद वर्ष भर किए गए सेवा कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें विभिन्न क्लबों एवं पदाधिकारियों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर रीजन चेयरपर्सन कैलाश नाथ गुप्ता द्वारा करीब 150 से अधिक अवार्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बेस्ट क्लब, मोस्ट एक्टिव क्लब, बेस्ट प्रेसिडेंट, ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड, लाइफ टाइम अचीवमेंट सहित विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। साथ ही पर्यावरण, रक्तदान, स्वास्थ्य एवं भूख राहत जैसे प्रोजेक्ट्स में उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्लबों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

यह आयोजन सेवा कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ लायंस परिवार की एकता, समर्पण और सेवा भावना का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा।

अंत में रीजन चेयरपर्सन ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

भाजपा का स्थापना दिवस: वक्ताओं ने कहा-अटल जी ने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया, मोदी सरकार के ऐतिहासिक फैसले और जनकल्याणकारी योजनाएं बनीं विकास की पहचान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर 6 अप्रैल को भाजपा जिला मुख्यालय पं. दीनदयाल कुंज, टीपी नगर कोरबा में भव्य एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद गोष्ठी आयोजित कर पार्टी के विचारों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में उद्योग व आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर संजू देवी राजपूत, सह संभाग प्रभारी रायपुर डॉ. राजीव सिंह, जिला महामंत्री संजय शर्मा व अजय विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय, वरिष्ठ पार्षद नरेंद्र देवांगन, एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन एवं वरिष्ठ नेत्री ज्योति वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला मुख्यालय को आकर्षक झालरों, रंगोली एवं दीप से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर उत्सवमय माहौल में नजर आया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन, जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी एवं महापौर संजू देवी राजपूत ने भाजपा की विचारधारा, गौरवशाली इतिहास और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित किया। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में पार्टी का ध्वज फहराएं। साथ ही गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के तहत गांव-गांव जाकर जनसंपर्क करेंगे। इस दौरान आम जनता को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, पुराने कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा और स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया

वक्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। एक वोट से सरकार गिरने के बावजूद उन्होंने सत्ता के लिए अनुचित रास्ता अपनाने से इंकार किया। उनके कार्यकाल में भारत ने परमाणु शक्ति के रूप में अपनी पहचान मजबूत की तथा शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए पार्टी के नेताओं ने संघर्ष जारी रखा

वक्ताओं ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। इससे पूर्व पार्टी के नेता भारतीय जनसंघ के रूप में कार्यरत थे, जिसकी स्थापना अक्टूबर 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा की गई थी। जनसंघ को आगे बढ़ाने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी एवं लालकृष्ण आडवाणी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा गया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू कर विपक्षी नेताओं को जेल भेजा गया, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए पार्टी के नेताओं ने संघर्ष जारी रखा।

मोदी सरकार के ऐतिहासिक फैसले और जनकल्याणकारी योजनाएं बनीं विकास की पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कश्मीर से धारा 370 हटाने, राम मंदिर के निर्माण तथा देशभर में आधारभूत सुविधाओं के व्यापक विस्तार को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में सशक्त रूप से कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है, जिससे गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को सशक्त बनाने में मदद मिली हैं।

दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
सपने बड़ा देखेंगे,
तो लक्ष्य भी बड़ा होगा
और इसे पूरा करने के लिए
काम भी बड़े करने होंगे।

बैशाख कृष्ण अष्टमी (शीतलाष्टमी) विक्रम संवत् 2083 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 10 से 16 अप्रैल 2026

जीवन में भगवान राम के आदर्शों को आत्मसात करें- प्रेमचंद पटेल

कोरबा/गेवरा (दिव्य आकाश)।

कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल गेवरा स्टेशन रोड इमलीछापर में आयोजित अखण्ड नवधा रामायण में शामिल हुए और कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने अपना उद्बोधन भी दिया और कहा कि भगवान श्रीराम मानवीय मूल्यों के सजग उदाहरण हैं और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम अपने जीवन का मूल्य बढ़ा सकते हैं। भगवान श्रीराम हमारी आस्था ही नहीं बल्कि हिन्दू धर्म की संस्कृति हैं। वे अपने समर्थकों के साथ भगवान श्रीराम और रामायण की पूजा अर्चना की और क्षेत्र की समृद्धि के लिए कामना की।

चांदी उतरी:2.36 लाख किलो

नई दिल्ली, एजेंसी।

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 9 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1 हजार घटकर 1.50 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.51 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 8 हजार रुपए घटकर 2.36 लाख रुपए रह गई।

असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38% वोटिंग:पुडुचेरी में 90% मतदान, केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड वोटिंग

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी।

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है।

केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81% मतदान हुआ।

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम CM रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे।

केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

पुडुचेरी में मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का फूलों से स्वागत किया।

असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस कैंडिडेट ने EVM तोड़ दी। इसके चलते यहां करीब तीन घंटे तक वोटिंग रुकी रही। चुनाव अधिकारियों ने दूसरी EVM रखी तब वोटिंग फिर शुरू हुई।

असम के बरपेटा में सुबह से तेज बारिश के कारण वोटिंग में परेशानी आई।

केरलम के कन्नूर में वोटिंग खत्म होने के समय शाम 6 बजे के बाद भी कई बूथ पर वोटर्स की लंबी लाइन लगी दिखाई दी।

केरलम के सीएम पिनाराई विजयन ने कन्नूर में आरसी अमला बेसिक अपर प्राइमरी स्कूल में वोट डाला। केंद्रीय मंत्री

और भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने त्रिशूर में मतदान किया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा

केंद्र ने कहा- धार्मिक मामलों में अदालतों का दखल ठीक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के 3 तर्क

मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

आर्टिकल 17 (छुआछूत खत्म करना) बहुत ताकतवर प्रावधान है। यह सिर्फ कानून के तहत अपराध नहीं है, बल्कि संविधान इसे अपराध घोषित करता है। यह कानूनी ही नहीं, संवैधानिक स्तर पर भी गंभीर मामला है।

अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है, तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर असर नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

केंद्र सरकार के 4 तर्क

अगर कोई मंदिर सिर्फ अपने समुदाय के लोगों के लिए रखना चाहता है, तो उन्हें सरकार या आम जनता से फंड (पैसा/दान) नहीं लेना चाहिए। अगर आप दूसरों को बाहर रखते हैं, तो उनसे मदद भी नहीं ले सकते।

अगर सिर्फ आर्टिकल 26(b) के आधार पर देखें, तो मंदिर में प्रवेश से जुड़ा कानून गलत हो सकता है। धार्मिक संस्था को यह अधिकार है कि कौन मंदिर में आएगा, यह वह खुद तय करे। अगर प्रवेश या पूजा धार्मिक नियमों से तय होता है, तो यह धर्म का हिस्सा है। जबरन एंट्री कराने वाला कानून इस अधिकार का उल्लंघन है।

केरल में पुर्तगालियों ने सीरियन ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को कैथोलिक बनाने की कोशिश की। आयरलैंड में ब्रिटिश शासन के दौरान कैथोलिकों के साथ भेदभाव होता था। ऐसे धार्मिक विवाद संवेदनशील होते हैं, इसलिए अदालतें आमतौर पर हस्तक्षेप नहीं करतीं।

अगर मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जा रहा है और कोई मांसाहारी भोजन चाहता है, तो वह किसी संप्रदाय से यह नहीं कह सकता कि यह उसका अधिकार है और उसे वही परोसा जाए।

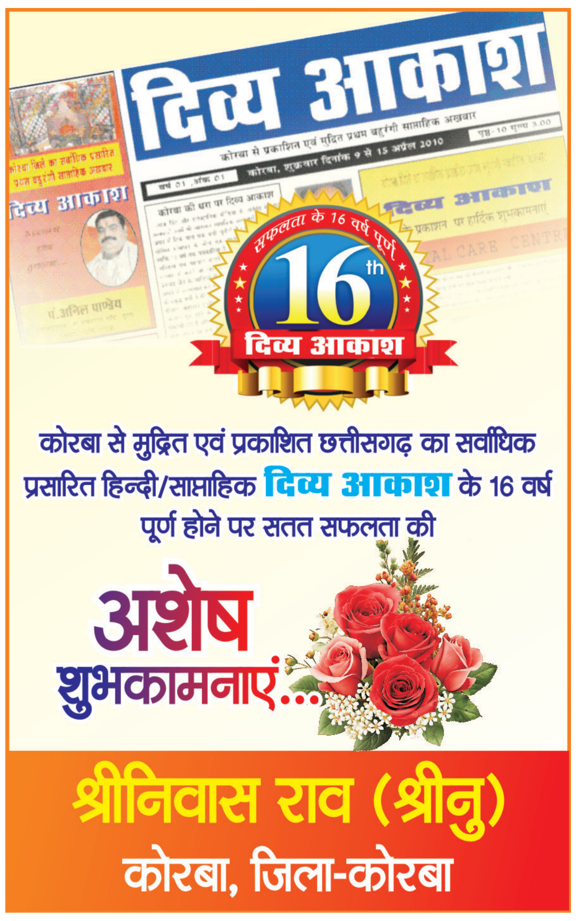

सरोकार

यह उन्माद ही तो है

किसी भी समस्या का अंत तब तक नहीं होता, जब तक संवाद कायम न हो। अमेरिका-ईजराइल तथा ईरान के बीच महीने भर से चल रहा महायुद्ध का स्थायी समाधान जरूरी है। हालांकि इस महायुद्ध पर कुछ दिनों के लिए विराम लग गया और सीजफायर की घोषणा के बाद विश्व ने राहत की सांस ली है और सभी ने इस सीजफायर का स्वागत किया है, लेकिन इसके स्थायी समाधान को भी बेहद जरूरी बताया है। जब अमेरिका-ईजराइल और ईरान के बीच लगातार संवाद होगा तो समस्या का समाधान भी निकलेगा। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी दी थी, कि ईरान का अस्तित्व ही मिटा देंगे और अगले 48 घंटे में ईरान मिट जाएगा। ट्रम्प की धमकी को ईरान ने गीदड़ धमकी करार दे दिया था और कहा था कि ट्रम्प जो सोचा नहीं होगा, हम वह भी करके दिखाएंगे, लेकिन हम झुकेंगे नहीं। सीजफायर की घोषणा हुई और शांति की एक किरण दिखाई दी। दोनों पक्षों के बीच संवाद कायम होगा और उम्मीद की यह किरण स्थायी समाधान के साथ शांति के सूर्य का उदय कराएगी। आज जो महायुद्ध पश्चिम एशिया में चल रहा है, वह उन्माद की इंतहां। पश्चिम एशिया के एक महीने के महायुद्ध ने अमेरिका सहित कई देशों की अर्थव्यवस्था को चौपट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अमेरिका की करोड़ों जनता का दबाव भी था-ट्रम्प सीजफायर करें, नहीं तो इस्तीफा दें। पूरा विश्व चाहता था कि महायुद्ध पर विराम लगे और शांति की छाया विश्व में छाए।

-संपादक

भारतीय संविधान और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं

साढ़े पांच दशक पूर्व बस्तर में चारों तरफ खुशहाली और आदिवासियों का त्यौहार, संस्कृति, परंपरा और सामान्य जीवन से लोग आल्हादित थे। 1980 के दशक में नक्सलियों की घूसपैठ ने यहां के जनजीवन को अस्तव्यस्त करना प्रारंभ कर दी। नक्सली बीज... पेड़ बन गए और चारों तरफ नक्सलियों का तांडव प्रारंभ हुआ। मध्यप्रदेश सरकार ने बीज को ही उखाड़ फेंका होता तो आज बस्तर लहूलुहान नहीं होता और न ही हजारों लोग मारे जाते। कई गांव उजड़ गए, कई परिवार बेघर हो गए, कई महिलाओं का सिंदूर उजड़ गया, हजारों बच्चे अनाथ हो गए, लेकिन नक्सलियों का तांडव नहीं रूका और बस्तर 50 साल से भी अधिक काल तक हिंसा का दंश झेलता आ रहा था, अब थक चुका था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की आंखों में लहूलुहान बस्तर तैरने लगा। अब बहुत हुआ, अब न तो एक भी खून गिरेगा और न ही निरपराधों की जान जाएगी। सख्त तेवर और कुछ कर गुजरने की चाहत ने आज बस्तर को अमित शाह ने शांत और खुशहाल बस्तर की जो सौगात दी है, शायद उसे पीड़ित परिवार कभी भूल पाएंगे।

नियत साफ हो और मानवीय संवेदनाएं प्रबल हों, तो प्रकृति भी साथ देती है। कठिन चुनौतियां थीं, अपनों के मारे जाने का डर भी था, लेकिन अमित शाह ने सभी चुनौतियां स्वीकारीं और बस्तर को आज नक्सल मुक्त बना कर ही छोड़ा। 31 मार्च 2026 से भारत नक्सलमुक्त हो गया। बस्तर सहित उन नक्सल प्रभावित राज्यों में लोकतंत्र का उजियारा साफ दिखाई देने लगा है।

जहां पर नक्सली ईमारत थी, वे नेस्तनाबूत हो चुके हैं, वहां अब विद्यालय की ईमारत खड़ी हो रही है। जनताना की जगह अब भविष्य को स्वर्णीम बनाने की शिक्षा दी जा रही है और नक्सली दस्तावेज की जगह अब भविष्य का पाठ पढ़ाया जा रहा है। हालांकि चुनौतियां अब भी बाकी है, नक्सली मांद में बारूदी सुरंग पग-पग में बिछी हुई हैं, जहां विस्फोटक लगाए गए हैं। एंटी विस्फोटक टीम लगी हुई है और यह देखकर आश्चर्य हो रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में डेटोनेटर मिल रहे हैं। आज भी यहां संकट बरकरार है। बड़ी चुनौतियों में सफलता मिल चुकी है, तो शीघ्र ही बस्तर की भूमि बारूदी सुरंगों से भी मुक्त हो जाएगा। हमारे देश के जवान जज्बा और हिम्मत के पर्याय हैं। सरकार की विकासोन्मुखी योजनाओं से बस्तर भी जल्द विकासशील जिलों की श्रेणी में आएगा और यहां के जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा के साथ यहां की धरती के गर्भ में छिपे प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित दोहन से बस्तर में खुशहाली और जीवन के हर रंग उभरेंगे।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

लहू लुहान हाथों में अब जीवन का सुकून

बस्तर में लौटी शांतिः आदिवासियों के चेहरों पर मुस्कान

शिक्षा पर सरकार का विशेष फोकस, जनताना स्कूल की जगह अब जीवन का पाठ

कोंटा ब्लाक में 22 स्कूल खुलेंगे, बच्चे अब मुस्कुराते, दौड़ते भागेंगे स्कूल की ओर

हिंसा का दौर खत्मः बस्तर में लौटने लगी जिंदगी। अमित का वार्निंग-हथियार उठाओगे तो समझो खत्म!

सरकार वही सफल है, जो जनता की शांति लौटा दे। हिंसा को शांति में बदल दे। जनता की समृद्धि के लिए सरकार वह सब कुछ करे, जिससे आम जनता खास कर अति पिछड़ी जनजाति का जीवन सरल, सुलभ और सामान्य बन सके। छत्तीसगढ़ भारत की वह धड़कन है, जहां जल, जंगल और जमीन को बचाने के नाम पर नक्सली लूट-पाट और जघन्य अपराधों को अंजाम देते थे। आजादी के बाद कुछ लोग जल, जंगल और जमीन को बचाने की विचारधारा को लेकर नक्सली बने, लेकिन आज नक्सलियों की विचारधारा एकदम उलट हो गई थी और भोले-भाले आदिवासी युवकों को बरगलाकर नक्सली बनाते और निरपराधों की हत्या, लूट-पाट, लेवी वसूली और भारत निर्माण को विध्वंस करना ही इनका एकमात्र लक्ष्य हो गया था। लाल सलाम की हिंसा एक तरह से गृहयुद्ध जैसी थी और विकास में बाधा बनकर आदिवासियों को मुख्य जीवनधारा से काटना ही इनका लक्ष्य हो गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय सहित उन प्रदेशों के सीएम तथा डीजीपी के समन्वित रणनीति से यह असंभव सा कार्य संभव हुआ और देश के अन्य नक्सलाइड क्षेत्र सहित लहू लुहान बस्तर भी शांति की ओर लौटा। नक्सली समर्पण और नक्सलियों का खात्मा के साथ बीते 31 मार्च 2026 को नक्सल मुक्त भारत की घोषणा की गई और लोकसभा में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन हिंसापरस्त लोगों को अल्टीमेटम भी दिया, अब हथियार उठाओगे तो मिट्टी में मिल जाओगे। दूसरी ओर आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार मुख्यधारा में लाने का हर प्रयास कर रही है। बस्तर में शांति और रौनक लौटने लगी और आदिवासियों का दूभर जीवन अब सरल और सुलभ होने लगा।

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा का मार्ग अपनाया था, अब वहीं हाथ अपने हुनर का कमाल दिखा रहे हैं। भानुप्रतापपुर के पास ग्राम चौगेल के पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा हुनर दिखाते हुए काष्ठ कला से नेम प्लेट, छत्तीसगढ़ शासन का 'लोगो', ग्राम पंचायतों के लिए बोर्ड, बच्चों के लिए की-रिंग सहित अन्य सजावटी सामग्री तैयार की जा रही है, साथ ही कपड़े का थैला, कार्यालयों के लिए बस्ता भी तैयार किया जा रहा है। सरकार द्वारा घोषित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन कांकेर द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को कुशल और दक्ष बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां पर उन्हें काष्ठशिल्प के साथ ही इलेक्ट्रिशियन, ड्रायविंग, सिलाई, राजमिस्त्री जैसे पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कभी नक्सली गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियॉ अब विभिन्न व्यवसाय में दक्ष हो रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह कर सकें।

मुख्यधारा में लौटे माओवादियों का शिक्षा पर भी विशेष ध्यान

चौगेल कैंप बना कौशल प्रशिक्षण केंद्र

वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। शासन द्वारा नक्सल मुक्त बस्तर घोषित किया जा चुका है। हिंसा की राह त्यागकर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को सरकार कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखंड के पास ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैम्प में विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कभी बीएसएफ का कैम्प रहा चौगेल (मुल्ला) का यह कैम्प अब हुनर सिखाने वाला गढ़ बन चुका है। यहां पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठयक्रमों जैसे- काष्ठ शिल्प, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई, ड्राइविंग, राजमिस्त्री इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उनकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दी जा रही है। पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकें, पेन-पेंसिल दिए गए हैं तथा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां भी दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां जैसे कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है। चौगेल पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, वाहन चालक के साथ ही कांकेर में घुड़सवारी का भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में सिलाई मशीन, काष्ठ शिल्प एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाने हेतु कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी, पशुधन विकास विभाग के साथ 'बिहान' के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया है।

प्रशिक्षण उपरांत नियोजन करने वाला पहला जिला बना कांकेर

पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण उपरांत नक्सली पीड़ित एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार से जोड़ने वाला कांकेर पहला जिला बन चुका है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने अपने हाथों से तीन नक्सली पीड़ित और एक आत्मसमर्पित नक्सली को निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा, इनमें पुनर्वासित सगनूराम आंचला एवं नक्सल पीड़ित रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम शामिल थे। इन सभी को निजी फर्म का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जहां उन्हें 15 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय और अन्य प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन्होंने चौगेल कैम्प में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा उन्हें निजी क्षेत्र में नियोजित किया गया है। मुख्यधारा में लौटकर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्रदान करने के मामले में उत्तर बस्तर कांकेर पहला जिला है। निजी क्षेत्र में नौकरी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए माओवाद पीड़ित बीरसिंह मंडावी ने कहा कि ग्राम मुल्ला (चौगेल) के कैम्प में पुनर्जीवन मिला है, जहां निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल एवं पारंगत बनाया गया, वहीं प्रशिक्षण के बाद जिला प्रशासन द्वारा रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

सरकार ने उन स्थानों पर 22 स्कूल खोलने का निर्णय लिया है, जहां पर नक्सली बच्चों को जनताना स्कूलों के जरिए माओवादी विचारधारा की शिक्षा देते थे। वहां अब भारतीय संविधान और औपचारिक शिक्षा की गूंज सुनाई देने लगी है। पहुंचविहीन गांव अब मुख्यालय से जुड़ने लगेंगे, क्योंकि वहां नक्सली मुक्ति के बाद सड़कें बनने लगी है। बच्चे अब नर्सरी में क, ख, ग के साथ ए, बी, सी, डी भी पढ़ेंगे।

हिड़मा के गांव पूवर्ती में अब गुरूकुल जैसा विद्यालय-गुरूकुल खुल चुका है और 30 बच्चे यहां शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन का पाठ पढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य कैम्प के बाद अब यहां अस्पतालों ने आकार लेना प्रारंभ कर दिया है।

शिक्षा विभाग घर-घर पहुंच रहा है और विद्यालय आने के लिए बच्चों के साथ अभिभावकों को प्रेरित कर रहा है, ताकि शिक्षा के साथ बच्चों का जीवन उज्ज्वल बन सके।

बस्तर अब बंदूक की राह छोड़ चुका है और अब किताब की ओर बढ़ रहा है, जहां शिक्षा भविष्य की नई राह तय कर रही है। लाल आतंक अब खत्म हो चुका है और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा शांति की बयार चल चुकी है। सारा वातावरण अब उल्लास और उमंग बयां कर रहा है और भय समाप्त हो चुका है।

लाल आतंक से उजड़े गांव अब फिर से आबाद होंगे, क्योंकि विष्णु सरकार ने तय किया है कि घर छोड़कर अन्य प्रदेशों या जिलों में शरण लेने वाले माओवादी पीड़ित परिवार वापस आएंगे और ऐसे परिवारों की खोजबीन की जा रही है और पीड़ित परिवारों को चिन्हांकित किया जा रहा है। कुल मिलाकर अब किसी का खून नहीं बहेगा, चारों तरफ शिक्षा का उजियारा दिखेगा। भय और आतंक का साम्राज्य खत्म हुआ और बस्तर में फिर से लोकतंत्र बहाल हुआ।

साभार-जसं

'कॉकटेल 2' का पहला गाना 'जब तलक' हुआ रिलीज, रश्मिका-कृति संग झूमते दिखे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की मच-अवेटेड फिल्म 'कॉकटेल 2' का पहला गाना 'जब तलक' रिलीज हो गया है। अरिजीत सिंह की आवाज और प्रीतम के संगीत ने सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा दिया है

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। काफी समय से लोग फिल्म के किसी बड़े अपडेट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए फिल्म का पहला गाना 'जब तलक' 8 अप्रैल को रिलीज कर दिया है। गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस गाने की सबसे बड़ी खासियत फिल्म की स्टारकास्ट है। पहली बार स्क्रीन पर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की तिकड़ी एक साथ डांस और धमाल करती नजर आ रही है। गाने में तीनों की एनर्जी और केमिस्ट्री गजब की है। इसे गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी सुरीली आवाज में गाया है, जो सीधे दिल को छू लेती है। वहीं, गाने का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है और इसके प्यारे बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे यूट्यूब पर लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म ?

फिल्म 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है, जिसमें सैफ, दीपिका और डायना पेंटी नजर आए थे। सीक्वल का निर्देशन भी होमी अदजानिया ही कर रहे हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस इस फिल्म की कहानी को देखने के लिए बेहद एकसाइटेड हैं।

यूट्यूब और सोशल मीडिया पर गाने के रिलीज होते ही फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैंस तीनों सितारों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'शाहिद कपूर का डांस वाकई शानदार है', तो वहीं दूसरे यूजर ने रश्मिका की तारीफ की है। एजेंसी।

शिवानी सिंह की कातिलाना अदाओं ने लूटी महफिल, खुशी कक्कड़ का 'जानू एही लगन में' रिलीज होते ही वायरल

अगर आप शादियों में डांस करने के शौकीन हैं, तो आपके लिए एक जबरदस्त नया गाना आ गया है। भोजपुरी की मशहूर सिंगर खुशी कक्कड़ का नया गाना 'जानू एही लगन में' रिलीज होते ही यूट्यूब पर ट्रेंड करने लगा है। इस गाने के वीडियो में शिवानी सिंह के दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया है। अब तक इस म्यूजिक वीडियो ने 9,499 से व्यूज बटोर लिए हैं और यह आंकडा लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

NMACC इवेंट के बाद Siddharth-Kiara का रोमांटिक फोटोशूट, Traditional Look में जीता फैंस का दिल

यह मंदिर का दीप

यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो
रजत शंख घड़ियाल स्वर्ण वंशी-वीणा-स्वर,
गये आरती वेला को शत-शत लय से भर,
जब था कल कंठो का मेला,
विहंसे उपल तिमिर था खेला,
अब मन्दिर में इष्ट अकेला,
इसे अजिर का शून्य गलाने को गलने दो!

चरणों से चिन्हित अलिन्द की भूमि सुनहली,
प्रणत शिरों के अंक लिये चन्दन की दहली,
झर सुमन बिखरे अक्षत सित,
धूप-अर्घ्य नैवेदय अपरिमित
तम में सब होंगे अन्तर्हित,
सबकी अर्चित कथा इसी लौ में पलने दो!

पल के मनके फेर पुजारी विश्व सो गया,
प्रतिध्वनि का इतिहास प्रस्तरों बीच खो गया,
सांसों की समाधि सा जीवन,
मसि-सागर का पंथ गया बन
रुका मुखर कण-कण स्पंदन,
इस ज्वाला में प्राण-रूप फिर से ढलने दो!

झंझा है दिग्भ्रान्त रात की मूर्छा गहरी
आज पुजारी बने, ज्योति का यह लघु प्रहरी,
जब तक लौटे दिन की हलचल,
तब तक यह जागेगा प्रतिपल,
रेखाओं में भर आभा-जल
दूत सांझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!

- महादेवी वर्मा

अटल जी की दो अनुभूतियां

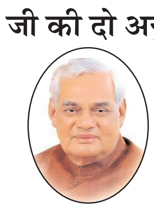

पहली अनुभूति

गीत नहीं गाता हूँ

बेनक़ाब चेहरे हैं,
दाग़ बड़े गहरे हैं
टूटता तिलिस्म आज सच से भय खाता हूँ
गीत नहीं गाता हूँ
लगी कुछ ऐसी नज़र
बिखरा शीशे सा शहर

अपनों के मेले में मीत नहीं पाता हूँ
गीत नहीं गाता हूँ

पीठ मे छुरी सा चांद
राहू गया रेखा फांद
मुक्ति के क्षणों में बार बार बंध जाता हूँ
गीत नहीं गाता हूँ

दूसरी अनुभूति

गीत नया गाता हूँ

टूटे हुए तारों से फूटे बासंती स्वर
पत्थर की छाती मे उग आया नव अंकुर
झरे सब पीले पात
कोयल की कुहुक रात

प्राची मे अरुणिम की रेख देख पता हूँ
गीत नया गाता हूँ

टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी
अन्तर की चीर व्यथा पलको पर ठिठकी
हार नहीं मानूँगा,
रार नई ठानूँगा,

काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ
गीत नया गाता हूँ

- भारत रत्न
अटल बिहारी वाजपेयी
पूर्व प्रधानमंत्री
भारत सरकार

बच्चों को सही-गलत का फर्क जरूर सिखाएं

हर माता-पिता की एक ही चाहत होती है कि उनके बच्चे जीवन में आगे चलकर समझदार, जिम्मेदार और एक अच्छे इंसान बनें। अगर आप की भी अपने बच्चे से यही उम्मीद है तो यह आपके लिए और भी जरूरी हो जाता है कि आप सबसे पहले उन्हें सही और गलत के बीच पहचान करना सिखाएं। जब उन्हें सही और गलत के बीच का फर्क समझ में आने लगेगा तो वे जीवन के हर कदम पर एक सही फैसला ले पाएंगे। बता दें सही और गलत के बीच का फर्क बच्चे अपने आप ही नहीं सीख लेते हैं। उनके अंदर इस खूबी को आपके धीरे-धीरे डेवलप करना पड़ता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको विस्तार से बताने वाले हैं कि आखिर आप किस तरह से अपने बच्चे को सही और गलत के बीच फर्क करना सिखा सकते हैं।

बचपन से ही दें सही सीख

बच्चों में सही और गलत के बीच जो फर्क होता है उसकी सीख आपको उसके अंदर बचपन से ही डेवलप करना शुरू कर देना चाहिए। छोटी-छोटी बातों में उन्हें बताएं कि क्या सही है और क्या गलत। अगर वे झूठ कहते हैं, तो उन्हें बताएं कि यह गलत आदत है। वहीं, अगर वे किसी की मदद करते हैं, तो उनकी इस अच्छी आदत की सराहना भी करें। जब आप उन्हें हर कदम पर सही दिशा दिखाते हैं, तो ये चीजें उसके व्यवहार का एक हिस्सा बन जाती हैं।

अपने व्यवहार से बनें एग्जाम्पल

छोटे बच्चे दूसरों से नहीं बल्कि अपने माता-पिता से ही सबसे ज्यादा चीजें सीखते और अपनाते हैं। इसलिए यह काफी जरूरी हो जाता है कि आप भी वैसा ही बर्ताव करें जैसा आप उनसे चाहते हैं। अगर आप ईमानदारी, सम्मान और डिसिप्लिन से रहेंगे, तो आपके बच्चे भी इन्हीं चीजों को सीखेंगे। इस बात का ख्याल हमेशा रखें कि बच्चे सुनकर नहीं बल्कि देखकर चीजों को जल्दी सीखते हैं।

गलती करने पर समझाएं, डांटें नहीं

अगर आपके बच्चे गलती कर रहे हैं, तो आपको हर बार उन्हें डांटने से या फिर सजा देने से भी बचना चाहिए। आपका यह तरीका हर बार सही साबित नहीं हो सकता है. आपको अपने बच्चे को प्यार से इस बात को समझाना चाहिए कि उनकी गलती क्या थी और वे उसे किस तरह से आगे सुधार सकते हैं। जब आप बच्चे को सही और गलत के बीच फर्क करना इस तरह से सिखाएंगे तो वह डरेगा नहीं और आगे चलकर इस तरह की किसी गलती को दोहराने से भी बचेगा।

कहानी और एग्जाम्पल की लें मदद

छोटे बच्चों को कहानियां सुनना काफी ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में आप अगर चाहें तो उन्हें कहानियों की मदद से भी सही और गलत के बीच फर्क करना सिखा सकते हैं। अपने बच्चे को हर रात सोने से पहले सच्चाई, मेहनत और दया से जुडी कहानियां सुनाना शुरू करें। जब आप ऐसा करेंगे तो उन्हें चीजें आसानी से समझ आने लगेंगी।

सवाल पूछने के लिए करें मोटिवेट

अपने बच्चों को हमेशा ही सवाल पूछने के लिए मोटिवेट करें। जब भी वे आपसे कोई सवाल करें तो इनका जवाब काफी पेशेंस के साथ दें। जब आपके बच्चे यह समझना चाहते हैं कि कोई भी चीज गलत क्यों है या फिर सही क्यों है, तो उन्हें इसके बीच का फर्क खुलकर बताएं। जब आप ऐसा करेंगे तो आपके बच्चे की सोचने और समझने की ताकत बढ़ेगी और जीवन में आगे चलकर वह खुद भी सही फैसले ले पाएगा।

एजेंसी।

दादी-नानी की कहानी

कौआ और सांप

एक पेड़ पर कौआ अपनी पत्नी कौवी के साथ घौंसला बनाकर रहता था। उस पेड़ के नीचे तने में एक बिल था, जिसमें एक बड़ा सा दुष्ट सांप रहता था।

एक बार कौवे की पत्नी ने तीन अंडे दिए। इस बात से कौआ और कौवी दोनों बहुत खुश हुए। अगले दिन जब कौआ भोजन की तलाश में पेड़ से दूर चला गया तब दुष्ट सांप अपने बिल से बाहर निकला और पेड़ पर चढ़कर कौए के घोंसले तक जा पहुंचा।

वहां उसने अंडो के साथ कौवी को देखा तो उसने कहा कि वाह! आज तो तुमने मेरे खाने के लिए स्वादिष्ट भोजन का इंतजाम कर दिया है। अब जल्दी से दूर हटो और मुझे अंडों का स्वाद लेने दो।

यह सुनकर कौवी ने सांप से कहा – 'दुष्ट सांप! यह मेरे बच्चे हैं। चला जा यहाँ से। मैं तुझे इन्हें नहीं खाने दूंगी।

तब सांप ने कहा – हम्म्म! क्या कर लोगी तुम मेरा? यहाँ आज तक मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया है। तुम भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। यह कहकर सांप ने देखते ही देखते कौए के सभी अंडों को खा लिया।

शाम को कौआ जब अपने घर वापस आया तो, कौवी ने रो रोकर कौए को सारी बात बताई। अब कौआ उस दुष्ट सांप को सबक सिखाने के लिए उपाय ढूंढ़ने लगा।

अगले दिन कौआ राजा के महल में जा पहुंचा। वहां उसने रानी के गले में बड़ा सा सोने का हार देखा। अब वो मौके का इन्तजार करने लगा। कुछ देर बाद रानी स्नान करने के लिए जाती हैं और अपना सोने का हार भी उतार देती हैं।

अब मौके का फायदा उठाकर कौआ उस सोने के हार को अपनी चोंच में उठाकर जाने लगा। यह नजारा जब रानी ने देखा तो वो जोर से चिल्लाई। अरे कोई हैं? चोर... चोर..., देखो एक कौआ मेरा सोने का हार चुराकर उड़ा जा रहा है, पकड़ो... उसे जल्दी से।

अब राजा के सैनिक उस कौए का पीछा करने लगे और जंगल में जा पहुंचे। थोड़ी देर बाद सैनिकों ने देखा कि कौए ने सोने का हार एक पेड़ के नीचे कहीं छिपा दिया है। सैनिक पीछा करते हुए उस पेड़ के पास गए और उन्होंने हार को खोजना शुरू किया किया। जहां उन्हें सांप का बिल दिखाई दिया।

जैसे ही उन्होंने बिल को खोदना शुरू किया, वो दुष्ट सांप बाहर निकला और सैनिकों पर फूंफकारने लगा। यह देखकर सभी सैनिक उस दुष्ट सांप पर टूट पड़े और सांप का वहीं पर काम तमाम कर डाला।

इस प्रकार उस दुष्ट सांप को अपने किये की सजा मिल चुकी थी। अब कौआ और कौवी दोनों खुशी खुशी रहने लगे।

एजेंसी।

SSC CGL का फाइनल रिजल्ट जारी

15219 कैंडिडेट्स पास

SSC CGL Final Result 2025: एसएससी की तरफ से सीजीएल फाइनल रिजल्ट के साथ अलग-अलग लिस्ट जारी की गई है। इसमें अलग-अलग पोस्ट के लिए चुने गए उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। जिन उम्मीदवारों ने टियर-1 और टियर-2 परीक्षा पास की थी और ऑप्शन फॉर्म भरा था, उन्हीं के आधार पर फाइनल मेरिट तैयार की गई है। रिजल्ट चेक करने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट- ssc.gov.in पर जाना होगा।

ऐसे चेक करें SSC CGL Final Result

सबसे पहले SSC की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Result सेक्शन पर क्लिक करें।
अब CGL रिजल्ट से जुड़ा लिंक खोजें।
उस लिंक पर क्लिक करते ही रिजल्ट की PDF खुल जाएगी।
PDF में अपना रोल नंबर या नाम सर्च करें।
अगर आपका नाम लिस्ट में है तो आप इस परीक्षा में सफल हो चुके हैं।

SSC CGL Final Result 2025 Check List

SSC CGL के लिए टियर-1 परीक्षा 13 अगस्त से 30 अगस्त 2025 के बीच आयोजित की गई थी। इसके बाद टियर-2 परीक्षा 18 और 19 जनवरी 2026 को हुई। टियर-2 की आंसर-की 30 जनवरी 2026 को जारी की गई। उम्मीदवारों को पोस्ट प्रेफरेंस के लिए ऑप्शन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 12 मार्च 2026 थी। इसके बाद आयोग ने 8 अप्रैल 2026 को SSC CGL का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया।

कट ऑफ मार्क्स

इस बार SSC ने कैटेगरी के अनुसार कट ऑफ मार्क्स भी जारी किए हैं। सेक्शन-1 और सेक्शन-2 के लिए अलग-अलग कट ऑफ तय की गई है। R कैटेगरी के लिए सेक्शन-1 की कट ऑफ 54 मार्क्स और सेक्शन-2 की 63 मार्क्स रखी गई है।

SSC CGL Cut Off

Category	Cut-off Marks in Section-I	Cut-off Marks in Section-II
UR	54.00000	63.00000
OBC	45.00000	52.50000
EWS	45.00000	52.50000
SC	36.00000	42.00000
ST	36.00000	42.00000
ESM	36.00000	42.00000
OH	36.00000	42.00000
HH	36.00000	42.00000
VH	36.00000	42.00000
Pwd_Others	36.00000	42.00000

OBC और EWS कैटेगरी के लिए सेक्शन-1 की कट ऑफ 45 मार्क्स और सेक्शन-2 की 52.5 मार्क्स है। SC, ST, ESM, OH, HH, VH और PwD कैटेगरी के लिए सेक्शन-1 की कट ऑफ 36 मार्क्स और सेक्शन-2 की 42 मार्क्स रखी गई है। इन कट ऑफ के आधार पर उम्मीदवारों को फाइनल मेरिट में जगह दी गई है। एजेंसी।

माँ

कल जब उठ कर काम पर जा रहा था
अचानक लगा कोई रोक लेगा मुझे,
और कहेगा खड़े-खड़े दूध मत पी,
हजम नहीं होगा, दो घड़ी सांस लेले,
अरे! इतनी थंड और कोर्ट भूल गया
इसे भी अपने पास लेले,
मन में सोचा माँ रसोई से बोली होंगी
जिसके हाथों में सना आटा होगा
पलट के देखा तो क्या मालूम था
की वहाँ सिर्फ सन्नाटा होगा
पलट के देखा तो क्या मालूम था
की वहाँ सिर्फ सन्नाटा होगा।

अरे अब हवाएं ही तो बात करती हैं मुझसे,
लगता हैं जब जाऊँगा किसी खास काम से तो,
तो कोई कहेगा दही शक्कर खा ले
बेटा अच्छा शगुन होता है
कोई कहेगा गुड खा ले बेटा अच्छा शगुन होता है
पर मन इसी बात के लिए तो रोता है, की सब कुछ है मां सब कुछ
जिस आजादी के लिए मैं तुझसे सारी उमर लड़ता रहा,
वह सारी आजादी मेरे पास है
फिर भी ना जाने क्यों दिल की हर धड़कन उदास है
कहता था ना तुझसे, की मैं वही करूंगा जो मेरे जी में आएगा
और आज मैं वही सब कुछ करता हूं,जो मेरे जी में आता है
बात यह नहीं है की मुझे कोई रोकने वाला नहीं है
बात है तो इतनी सी
सुबह देर से उठूँ न तो कोई टोकने वाला नहीं है
सुबह देर से उठूँ न तो कोई टोकने वाला नहीं है।

रात को देर से लौटूं तो कौन टोकेगा भला
दोस्तों के साथ घूमने पर उल्हाने कौन देगा
मेरे वह तमाम झूठे बहाने कौन देगा
कौन कहेगा की इस उम्र में क्यों परेशान करता है
हाय राम यह लडका क्यों नहीं सुधरता है
पैसे कहां खर्च हो जाते हैं तेरे क्यों नहीं बताता है
सारा सारा दिन मुझे सातता है
रात को देर से आता है
खाना गरम करने को जागती रहूं
खिलने को तेरे पीछे भागते रहूं
बहाती रहूं आंसू तेरे लिए
कभी कुछ सोचा है मेरे लिए
खैर मेरा तो क्या होना है और क्या हुआ है
तु खुश रहना यही दुआ है
और आज तमाम खुशियां ही खुशियां
गम यह नहीं है
की कोई यह सब खुशियां बांटने वाला होता
पर कोई तो होता जो गलतियों पर डांटने वाला होता।
पर कोई तो होता जो गलतियों पर डांटने वाला होता

तू होती ना
तो हाथ फेरती सर पर
हल्के से बाम लगाती
आवाज़ दे देकर सुबह उठाती
दीवाली पर टीका लगाकर रूपया देती
और कहती बड़ो के पाँव छूना
आशीर्वाद मिलेगा

अगला कपडा अगली दिवाली को सीलेगा
बहन को सताता तो चांटे मारती
बीमार पड़ता से रो-रो कर नज़रें उतारती
परीक्षा से आते ही खाना खिलाती
पापा की डांट का डर दिखाती
इसे नौकरी मिल जाए तरक्की करें
दुआओं में हाथ उठाती
और तरक्की के लिए घर छोड़ देगा
यह सुनकर दरवाजे के पीछे छुपके-छुपके आंसू बहाती
सब कुछ है माँ, सब कुछ, आज
तरक्की की हर रेखा तेरे बेटे को छू कर जाती है
पर माँ हमें तेरी बहुत याद आती है
पर माँ हमें तेरी बहुत याद आती है।

- शैलेश लोढ़ा

बालको की पहल से मूंगफली बनी किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम

मोर जल... मोर माटी परियोजना : 40 गांव तक फैली परियोजना, 9 हजार से अधिक किसान लाभान्वित

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

कोरबा के आसपास के ग्रामीण इलाकों में खेती का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। पहले किसान ज्यादा पानी वाली धान की खेती पर निर्भर थे, लेकिन अब वे मूंगफली की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) अपनी 'मोर जल मोर माटी' योजना के जरिए 40 गांवों के 9,000 से अधिक किसानों को सहयोग दे रही है। परियोजना के तहत जल प्रबंधन, आधुनिक खेती, पशुपालन, गैर-लकड़ी वन उत्पाद और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में बालको ने क्षेत्र के किसानों के बीच मूंगफली की खेती को एक लाभकारी विकल्प के रूप में प्रोत्साहित किया है।

पहले क्षेत्र में बहुत कम किसान मूंगफली की खेती करते थे, वह भी केवल घरेलू उपयोग के लिए। पारंपरिक तरीकों के कारण लागत अधिक और उत्पादन कम होने से किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता था। साथ ही बाजार तक पहुंच की कमी भी एक बड़ी समस्या थी। बालको ने बेहतर बीज, खाद और तकनीकी मदद देकर इन समस्याओं को कम किया है। अब किसानों को लाइन से बुवाई, बीज उपचार और सही मात्रा में खाद देने जैसे तरीकों की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे उत्पादन बढ़ा है।

कंपनी के सामुदायिक विकास प्रयासों का असर साफ दिखाई दे रहा है। पहले जहां 50 से भी कम किसान मूंगफली उगाते थे, अब करीब 1,000 किसान इसकी खेती कर रहे हैं। प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल तक उत्पादन हो रहा है और किसानों को 45 से 55 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय मिल रही है। वर्ष 2026 में 470 से ज्यादा परिवारों को सीधा लाभ मिला, जबकि लगभग 200 और परिवारों ने इसे अपनाया है।

भटगांव की निवासी सुनीता राठिया ने बताया कि पहले मैं अपने खेत में केवल धान की खेती करती थी, जिसमें अधिक पानी और लागत लगती थी, लेकिन लाभ सीमित था। 'मोर जल मोर माटी' परियोजना से जुड़ने के बाद मुझे मूंगफली की उन्नत खेती के बारे में जानकारी मिली, साथ ही बेहतर बीज और उर्वरक भी प्राप्त हुए। मैंने पहली बार मूंगफली की खेती की और अच्छा उत्पादन प्राप्त किया। इस फसल में कम पानी लगता है और बाजार में भी उचित मूल्य मिलता है। अब मेरी आय में वृद्धि हुई है और मैं अपने खेत में इसका विस्तार करने की योजना बना रही हूं। यह पहल मुझे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

बुंदेली गांव के किसान कन्हैया लाल पहले पारंपरिक तरीकों से खेती करते थे, जिससे उन्हें अपेक्षित उत्पादन नहीं मिल पाता था। परियोजना से जुड़ने के बाद उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण मिला, जिससे उनकी खेती में सकारात्मक बदलाव आया। इसके परिणामस्वरूप उनकी मूंगफली की पैदावार बढ़कर 8 क्विंटल प्रति एकड़ हो गई। इससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। अब कन्हैया लाल माइक्रो-इरिगेशन और उन्नत तकनीकों को अपनाने की योजना बना रहे हैं तथा अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। बालको की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर ग्रामीण विकास को नई दिशा दे रही है।

सिर्फ आय ही नहीं, बल्कि फसल बदलने से जमीन की सेहत भी सुधर रही है और अगली फसलों का उत्पादन भी बेहतर हो रहा है। साथ ही, पानी की बचत भी हो रही है। आज के समय में जब खेती में बदलाव जरूरी है, बालको की पहल एक अच्छा उदाहरण बन रही है। तकनीकी मदद, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़कर यह योजना गांवों में सकारात्मक बदलाव ला रही है और मूंगफली की खेती को एक भरोसेमंद आय का स्रोत बना रही है।

हम क्षेत्र के समुदाय की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध- राजेश कुमार

बालको सीईओ राजेश कुमार ने कहा कि बालको क्षेत्र के समुदाय के जीवन स्तर को सुधारने एवं किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। मोर जल... मोर माटी परियोजना से क्षेत्र के किसान धान की फसल के साथ-साथ मूंगफली की खेती ले रहे हैं।मूंगफली की खेती के लिए मोर जल... मोर माटी परियोजना एक सौगात के रूप में किसानों को समृद्ध कर रही है।

अब संपूर्ण न्यूरो केयर एक ही छत के नीचे, NKH में शुरू हुई एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले का प्रमुख सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल न्यू कोरबा हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में अस्पताल के न्यूरो केयर विभाग को और मजबूत करते हुए अब न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-साइकेट्री और न्यूरो फिजियोथैरेपी की संपूर्ण सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे नसों से जुड़ी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है।

अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. शिवानी द्वारा अत्याधुनिक मिनिमली इनवेसिव (दूरबीन) तकनीक से स्पाइन सर्जरी की सुविधा भी शुरू की गई है। इस तकनीक के माध्यम से बिना बड़े चीरे के रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन किया जा रहा है, जिससे मरीज को कम दर्द होता है और सर्जरी के बाद कुछ ही दिनों में मरीज को डिस्चार्ज भी कर दिया जाता है। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा भी उपलब्ध है, जहां देर रात गंभीर मरीज आने पर भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तत्काल उपचार शुरू कर देती है।

कोरबा में पहली बार एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी

न्यू कोरबा हॉस्पिटल (NKH) में पहली बार एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है। इस आधुनिक तकनीक में दूरबीन की सहायता से रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन किया जाता है, जिससे मरीज को कम दर्द, कम समय में रिकवरी और जल्दी सामान्य जीवन में लौटने का लाभ मिलता है।

आयुष्मान सहित सभी बीमा सुविधाएं उपलब्ध

अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के अलावा सभी प्रमुख निजी हेल्थ कार्ड और बीमा योजनाएं भी स्वीकार की जाती हैं, जिससे मरीजों को आर्थिक राहत मिलती है।

न्यूरो-साइकेट्रिक रोगों का उपचार प्रारंभ

अहमदाबाद की अनुभवी मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी वर्मा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का आधुनिक और प्रभावी इलाज संभव हो रहा है। जिलों के मरीजों के लिए भी काफी लाभकारी साबित हो रही है।

न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-साइकेट्रिक और फिजियोथैरेपी में अंतर

अक्सर दिमाग और नसों से जुड़ी बीमारियों में न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-साइकेट्रिक और फिजियोथैरेपी को एक ही समझ लिया जाता है, जबकि ये चारों अलग-अलग चिकित्सा विशेषज्ञताएँ हैं और प्रत्येक की भूमिका अलग होती है।

न्यूरोलॉजी दिमाग, रीढ़ की हड्डी और नसों से जुड़ी बीमारियों का बिना ऑपरेशन इलाज करने वाली चिकित्सा शाखा है। न्यूरोलॉजिस्ट रोग की पहचान कर दवाओं के माध्यम से उपचार करते हैं। सरल शब्दों में, नसों की बीमारी का दवा से इलाज न्यूरोलॉजी में किया जाता है। न्यूरोसर्जरी उन रोगों का इलाज करती है, जिनमें सर्जरी की आवश्यकता होती है। न्यूरोसर्जन दिमाग और रीढ़ की हड्डी की सर्जरी करते हैं। ब्रेन ट्यूमर, सिर की गंभीर चोट, ब्रेन ब्लीड, स्लिप डिस्क, स्पाइनल स्टेनोसिस, स्ट्रोक में खून का थक्का निकालना, ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया, हाइड्रोसेफेलस और एन्यूरिज्म जैसी जटिल समस्याओं का सर्जिकल उपचार इसी विभाग में किया जाता है। न्यूरो-साइकेट्रिक उस क्षेत्र में काम करते हैं जहाँ ऐसी मानसिक बीमारियां जिनका कारण मस्तिष्क की शारीरिक खराबी (brain disease) हो, जैसे व्यवहार में अचानक बदलाव, डिमेंशिया के साथ व्यवहारिक लक्षण, मिर्गी के साथ मनोविकृति (psychosis), या स्ट्रोक के बाद अवसाद (depression) को ठीक करता है। फिजियोथैरेपी बीमारी या सर्जरी के बाद मरीज को दोबारा सामान्य जीवन में लौटाने में मदद करती है। फिजियोथैरेपिस्ट व्यायाम और विशेष थेरेपी के माध्यम से ताकत, संतुलन और चलने-फिरने की क्षमता बढ़ाते हैं। न्यूरोसर्जरी के बाद तथा मांसपेशियों की कमजोरी के मामलों में फिजियोथैरेपी बेहद जरूरी होती है।

सरल भाषा में कहें तो न्यूरोलॉजिस्ट दवा से इलाज करते हैं, न्यूरोसर्जन सर्जरी करते हैं, न्यूरो-साइकेट्रिक मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को दूर करती है और फिजियोथैरेपिस्ट मरीज को फिर से सामान्य चलने-फिरने लायक बनाते हैं।

न्यूरो संबंधित बीमारी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं- डॉ. चंदानी

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि न्यूरो संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए अब कोरबा के मरीजों को बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं है। एनकेएच में ही उच्चस्तरीय उपचार मिलने से मरीजों और उनके परिजनों के समय, खर्च और परेशानी तीनों में कमी आ रही है।

न्यू कोरबा हॉस्पिटल में मानसिक स्वास्थ्य व नशा मुक्ति सेवाएं सशक्त, डॉ. रजनी के नेतृत्व में मिल रहा बेहतर उपचार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और सामाजिक दबाव के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। अवसाद, चिंता, अनिद्रा और नशे की लत जैसी बीमारियां अब हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक समस्या से जूझ रहा है, लेकिन समय पर सही इलाज सभी को नहीं मिल पाता।

इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए न्यू कोरबा हॉस्पिटल में वरिष्ठ न्यूरो-मनोचिकित्सक डॉ. रजनी वर्मा के नेतृत्व में आधुनिक और समग्र मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहां मरीजों की स्थिति को समझकर व्यक्तिगत ट्रीटमेंट प्लान तैयार किया जाता है, जिसमें काउंसलिंग, साइकोथेरेपी और आवश्यकतानुसार दवाओं के जरिए उपचार किया जाता है। अस्पताल में अवसाद, एंग्जायटी, अनिद्रा, तनाव और व्यवहार संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जा रहा है।

बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को देखते हुए अस्पताल में विशेष नशा मुक्ति सेवाएं भी शुरू की गई हैं। इसमें शराब, तंबाकू, निकोटिन और ड्रग्स की लत से जूझ रहे मरीजों का वैज्ञानिक तरीके से इलाज किया जाता है। डिटॉक्सिफिकेशन, बिहेवियर थेरेपी, काउंसलिंग और रिलैप्स प्रिवेंशन जैसी सुविधाएं मरीजों को सुरक्षित और स्थायी रूप से नशा मुक्त बनाने में मदद कर रही हैं।

डॉ. रजनी वर्मा द्वारा अब तक 200 से अधिक मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका है, जो उनकी विशेषज्ञता और समर्पण को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसिक समस्याओं और नशे की लत को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, जबकि समय पर उपचार से व्यक्ति सामान्य जीवन में तेजी से वापसी कर सकता है। न्यू कोरबा हॉस्पिटल की ये सेवाएं कोरबा सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए राहत और उम्मीद का केंद्र बनकर उभर रही हैं।

एनकेएच में कैथलैब से मरीजों को मिला जीवनदान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद हृदय रोगियों को अब बड़े शहरों जैसी अत्याधुनिक इलाज सुविधा स्थानीय स्तर पर ही मिल रही है। इससे मरीजों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही और समय पर इलाज मिलने से जीवन रक्षा संभव हो रही है।

पिछले एक सप्ताह में 25 से अधिक हृदय मरीज अस्पताल पहुंचे, जिनका तत्काल उपचार शुरू किया गया। कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी के नेतृत्व में जांच के बाद 4 मरीजों की एंजियोप्लास्टी, 5 की एंजियोग्राफी और 1 मरीज का एआईसीडी सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया। एआईसीडी सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण कोरबा में पहली बार हुआ है. सभी मरीज अब स्वस्थ बताए जा रहे हैं। रायपुर के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी, डॉ. एस.एस. मोहंती और डॉ. दीपक कुमार अपनी टीम के साथ सेवाएं दे रहे है और आपात स्थिति में भी तत्परता से इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि जिले की पहली कैथलैब होने के कारण अब कोरबा में ही हृदय रोगों का संपूर्ण इलाज संभव हो गया है, जिससे मरीजों का समय और खर्च दोनों बच रहा है।

11 एवं 12 अप्रैल को एनकेएच कोरबा में मेदांता के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. त्यागी रहेंगे उपलब्ध...

कोरबा (दिव्य आकाश)।

न्यू कोरबा हॉस्पिटल (NKH) एक बार फिर जिले के मरीजों के लिए बड़ी सौगात लेकर आया है। अब घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसी जटिल सर्जरी के लिए महानगरों का रुख करने की आवश्यकता नहीं होगी। NKH सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेदांता हॉस्पिटल के वरिष्ठ जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विपिन चंद त्यागी अपनी सेवाएं देंगे।

डॉ. त्यागी 10,000 से अधिक सफल घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी कर चुके हैं और आर्थोप्लास्टी के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखते हैं।

डॉ. त्यागी 11 और 12 अप्रैल 2026 को विशेष परामर्श एवं सर्जरी के लिए NKH में उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान मरीजों को घुटना, कूल्हा प्रत्यारोपण, जटिल एवं रिविजन आर्थोप्लास्टी जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सर्जरी को सुरक्षित और सफल बनाया जाएगा।

अब तक इस तरह के ऑपरेशन के लिए मरीजों को दिल्ली, रायपुर जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता था, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ते थे। NKH में यह सुविधा शुरू होने से कोरबा सहित आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर और किफायती इलाज मिल सकेगा। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि सीमित स्लॉट होने के कारण मरीजों को पहले से पंजीयन कराना आवश्यक है और जरूरत मंद लोग इस सुविधा का लाभ उठाएं।

स्मृति शेष

सादगी और सहजता की मिसाल थे भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व.नानकराम भावनानी

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पाली में कपड़ा व्यवसाय, वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी नानकराम भावनानी का कल 03 अप्रैल को निधन हो गया था और आज 04 अप्रैल 2026 को दोपहर 1.00 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

स्वर्गीय श्री भावनानी का भौतिक शरीर अब पंचतत्व में विलीन हो चुका है। उनकी अंतिम यात्रा उनके निजनिवास से दोपहर 12.30 बजे निकली और स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। अंतिम विदाई के बाद मुक्तिधाम परिसर में शोकसभा आयोजित हुई, जिसमें उपस्थित जनों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी और उनके सद्व्यवहार, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के लिए उनके किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण उपस्थितजनों ने दिया।

भरापूरा परिवार छोड़कर अनंतयात्रा पर निकले नानकराम भावनानी

इस संसार में जो आया है, उसका जाना भी तय है, लेकिन कुछ लोग अपने कर्म से समाज को वह सबकुछ दे जाते हैं, जिनसे समाज उन्हें वर्षों तक भूलते नहीं। नानकराम भावनानी मानवता के वे पुजारी थे, जो भाजपा में रहते हुए सभी समुदाय, धर्म, दल से ऊपर उठकर सिर्फ मानव धर्म को सर्वोपरी मानते थे। उनके निधन से सिर्फ भाजपा परिवार को ही आघात नहीं लगा, बल्कि कोरबा, पाली सहित क्षेत्र के सम्पूर्ण समाज को उनका चले जाना खल रहा है। वे पाली क्षेत्र के लिए एक मार्गदर्शक थे और सभी दल के लोग उनसे किसी भी समस्या का समाधान के लिए मार्गदर्शन मांगते थे।

स्वर्गीय श्री नानकराम भावनानी गोविंदराम भावनानी, संतोष भावनानी एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजय भावनानी के पिता हैं। वे भरापूरा परिवार छोड़कर इहलोक से देवलोक गमन कर गए।

सभी ने इस पुण्यात्मा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की-हे ईश्वर! इन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देना और शोकमग्न परिवार को इस दुखद घड़ी में संबल प्रदान करना।

सादगी और सहजता की मिसाल थे नानकराम जी-प्रशांत मिश्रा

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष नानकराम भावनानी के स्वर्गारोहण होने पर कांग्रेस नेता एवं प्रदेश कांग्रेस के महासचिव प्रशांत मिश्रा ने शब्दों से नानकराम भावनानी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा-प्रत्येक व्यक्ति के प्रति प्रेम और सम्मान का व्यवहार उनकी आदत में शुमार था। बड़े हो या छोटे सभी से मित्रवत व्यवहार करना और सभी के लिए मन में प्रेम और सहयोग की भावना रखना ही उन्हें अन्य राजनीतिज्ञों से अलग रखता है। आज के प्रतिस्पर्धी और एक दूसरे को निपटाने वाली राजनीति के समय में आपके विचार और मार्गदर्शन आज के युवाओं के लिए अनुकरणीय रहेंगे। नानकराम जी ने अपनी पार्टी के जिले के सर्वोच्च पद पर उस समय जिम्मेदारी संभाली, जब वह काफी चुनौतीपूर्ण थी और उसे बखूबी निभाया। दलगत राजनीति से परे रहकर भी उन्होंने हमेशा सकारात्मक सोच का समर्थन किया। मुझे भी उनके करीब रहकर काफी कुछ सीखने का अवसर मिला और अक्सर विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय या सलाह दिया करते थे। उनके चले जाने से एक रिक्तता महसूस होगी और सकारात्मक राजनीति के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाता रहेगा। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दे। शत शत नमन।

भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नानकराम भावनानी के निधन से भाजपा को अपूरणीय क्षति हुई है। वे भाजपा का जनाधार बढ़ाने और भाजपा संगठन को और मजबूत करने दीर्घकाल तक कार्य किया और अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी।

असम में वोटिंग से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, कैंडिडेट सुरेन डाइमारी ने पार्टी छोड़ी, कहा - 'मैं उम्मीदवार नहीं'

गुवाहाटी, एजेंसी।

असम विधानसभा चुनावों से एक दिन पहले उडालगुरी से कांग्रेस के उम्मीदवार सुरेन डाइमारी ने बुधवार, 8 अप्रैल को पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। डाइमारी ने पार्टी नेतृत्व की ओर से समर्थन और संवाद की कमी का आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में डाइमारी ने अपनी असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उम्मीदवार बनाए जाने के बावजूद पार्टी उनके साथ खड़ी नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रचार के दौरान उनके कई प्रयासों के बावजूद पार्टी ने उनसे संपर्क नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'टिकट मिलने के बाद उन्होंने जवाब देना बंद कर दिया। मैंने कई बार पार्टी नेताओं से संपर्क किया, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला, इसके साथ ही उन्होंने पार्टी को असंवेदनशील और अविश्वसनीय बताया।' डाइमारी ने कहा कि संगठनात्मक समर्थन की कमी के कारण उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। उन्होंने बताया कि उडालगुरी क्षेत्र में अपने पूरे प्रचार दौरान उन्हें पार्टी से कोई मदद या समन्वय नहीं मिला।

उन्होंने कहा, 'पार्टी और उसके नेतृत्व से मुझे कोई समर्थन नहीं मिला। इसी कारण मैंने छोड़ने का निर्णय लिया।' इसके अलावा, डाइमारी ने कांग्रेस पर समाज के केवल कुछ वर्गों को ध्यान में रखते हुए चुनावी नरमी की राजनीति करने का आरोप भी लगाया, लेकिन इस पर उन्होंने अधिक विवरण नहीं दिया। डाइमारी ने पत्रकारों के अतिरिक्त सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया और बयान के तुरंत बाद बातचीत समाप्त कर दी। उनका यह इस्तीफा असम में 9 अप्रैल, गुरुवार को सुबह 7 बजे शुरू होने वाले एकल चरणीय मतदान से कुछ घंटे पहले आया है। इस अचानक कदम से उडालगुरी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी समीकरण प्रभावित होने की संभावना है।

विश्व बैंक ने 2026-27 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर किया 6.6%

नई दिल्ली, एजेंसी।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उसने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियां वृद्धि पर असर डाल सकती हैं। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से शुरुआती महीनों में उपभोक्ता मांग को सहारा मिलेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की आर्थिक वृद्धि के 6.9 प्रतिशत, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने 6.1 प्रतिशत और मूडीज रेटिंग्स ने छह प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी अपनी 'दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट' में कहा कि भारत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण मजबूत घरेलू मांग और निर्यात की मजबूती है। रिपोर्ट के अनुसार, निजी उपभोग में वृद्धि विशेष रूप से मजबूत रही जिसे कम मुद्रास्फीति एवं माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के युक्तिकरण से समर्थन मिला।

विश्व बैंक ने कहा, ''वृद्धि दर के 2026-27 में घटकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों को दर्शाता है।'' रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी दरों में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मांग को सहारा मिलेगा, लेकिन ऊंची वैश्विक ऊर्जा कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं और परिवारों की उपलब्ध आय पर दबाव डाल सकती हैं। इसके अलावा रसोई गैस एवं उर्वरक पर अधिक सब्सिडी खर्च के कारण सरकारी खपत वृद्धि में नरमी आने की उम्मीद है। बढ़ती अनिश्चितता तथा कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण निवेश वृद्धि भी धीमी पड़ सकती है।

विश्व बैंक ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाजारों तक भारत की निर्यात पहुंच में सुधार का लाभ मुख्य व्यापारिक साझेदार देशों में धीमी वृद्धि से कुछ हद तक प्रभावित हो सकता है। विश्व बैंक ने जनवरी में जारी 'ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट' में भारत की वृद्धि दर 2026-27 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिम एशिया संकट का असर अत्यधिक अनिश्चित है और अन्य आकलनकर्ताओं ने 2026-27 के लिए वृद्धि अनुमान 5.9 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के बीच कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर सैन्य हमले किए थे जिसके बाद तेहरान ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि आठ अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी जिससे पश्चिम एशिया में फैले संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई उथल-पुथल में कुछ राहत की उम्मीद जगी है।

युवक की आवश्यकता है

(रिसेप्शनिष्ट)

संपर्क करें -

Snookyard Café

प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्प्लेक्स

सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा

मो.: 79997-72254

वेतन आकर्षक

केंद्रीय कर्मचारियों की मौज, अब बच्चों की पढ़ाई के लिए मिलेंगे रू.8,400 से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी।

8वें वेतन आयोग की चर्चाओं के बीच केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को एक शानदार तोहफा दिया है। संचार मंत्रालय के डाक विभाग (Department of Posts) ने Children Education Allowance (CEA) के नियमों में बदलाव करते हुए भत्ते की राशि बढ़ा दी है। अब कर्मचारियों को अपने बच्चों की शिक्षा और हॉस्टल के खर्च के लिए पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आर्थिक मदद मिलेगी।

अब कितनी मिलेगी रकम?

सरकार ने इस भत्ते को फिक्स कर दिया है, यानी आपका खर्च चाहे कम हुआ हो या ज्यादा, आपको निर्धारित राशि पूरी मिलेगी:

चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस (CEA): अब हर महीने प्रति बच्चा रू.2,812.50 मिलेंगे।

हॉस्टल सब्सिडी: अगर बच्चा हॉस्टल में रहकर पढ़ रहा है, तो सरकार हर महीने रू.8,437.50 की सहायता देगी।

DA बढ़ते ही अपने आप बढ़ जाएगा पैसा

सबसे खास बात यह है कि इस भत्ते को महंगाई भत्ते (DA) से लिंक कर दिया गया है। जैसे ही DA 50% की सीमा को पार करेगा, शिक्षा भत्ते में भी 25% की ऑटोमैटिक बढ़ोतरी हो जाएगी। इससे बढ़ती महंगाई के दौर में अभिभावकों पर पढ़ाई का बोझ कम होगा। सरकार ने नियमों को आधुनिक बनाते हुए नर्सरी, LKG और UKG जैसी प्री-स्कूल कक्षाओं को भी इसमें शामिल किया है।

शेयर मार्केट क्रैश

5 दिन की तेजी पर लगा ब्रेक, अचानक क्यों टूटा बाजार?

मुंबई, एजेंसी।

9 अप्रैल को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार गिरावट देखने को मिली, जिससे निवेशकों की चिंता एक बार फिर बढ़ गई। हफ्ते की शानदार तेजी के बाद बाजार ने अचानक यू-टर्न ले लिया। एक अप्रैल से 8 अप्रैल तक 5 कारोबारी दिवस में शेयर बाजार में तेजी थी। लगातार 5 दिन की तेजी पर ब्रेक लग गया।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 931.25 (1.20%) अंक टूटकर 76,631.65 के स्तर तक आ गया, जबकि निफ्टी भी 222.25 (0.93%) अंक गिरकर 23,775.10 के स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,215 अंक टूटकर 76,347 के निचले स्तर तक पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 314 अंक गिरकर 23,682 के स्तर पर आ गया।

गिरावट के पीछे बड़े कारण

1. मध्य-पूर्व तनाव फिर बढ़ा

ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सीजफायर को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

इज़राइल द्वारा लेबनान पर हमलों के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। इससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और बाजार में बिकवाली बढ़ी है।

2. कच्चे तेल में तेज उछाल

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की खबर से सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड करीब 97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जिससे महंगाई और इकोनॉमिक दबाव की आशंका बढ़ी है।

3. रुपए में कमजोरी

भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले फिसलकर 92.71 तक पहुंच गया। कमजोर मुद्रा से विदेशी निवेशकों का भरोसा कम होता है और बाजार पर दबाव बढ़ता है।

4. ग्लोबल मार्केट्स का निगेटिव संकेत

एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। Nikkei 225, Hang Seng और KOSPI सभी लाल निशान में रहे।

5. प्रॉफिट बुकिंग का दबाव

लगातार 5 दिन की तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू कर दी, जिससे बाजार में सेलिंग बढ़ गई।

6. IT और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली

TCS के नतीजों से पहले IT सेक्टर दबाव में रहा। साथ ही बैंकिंग शेयरों में भी भारी गिरावट आई, जिससे इंडेक्स और नीचे खिंच गया।

7. FII की लगातार बिकवाली

विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) लगातार पैसे निकाल रहे हैं। इससे बाजार में लिक्विडिटी कम हो रही है और गिरावट तेज हो रही है।

8. India VIX में उछाल

India VIX 3% से ज्यादा बढ़कर 20 के पार पहुंच गया, जो बाजार में बढ़ते डर और अनिश्चितता का संकेत है।

रूस का 40% डिस्काउंट धमाका! LNG मार्केट में मची हलचल

मुंबई, एजेंसी।

ग्लोबल एनर्जी मार्केट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। रूस ने भारत समेत एशियाई देशों को LNG (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) पर 40% तक का भारी डिस्काउंट ऑफर दिया है, जिससे बाजार में हलचल तेज हो गई है। इस खबर का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी तुरंत देखने को मिला। Petronet LNG के शेयर में सुबह तेज उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया।

शेयर में पहले गिरावट, फिर शानदार रिकवरी

Petronet LNG का शेयर 270.41 रुपए के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 268 रुपए पर खुला। शुरुआत में कमजोरी देखने को मिली और खबर के बाद बिकवाली बढ़ने से शेयर गिरकर 262.50 रुपए तक पहुंच गया। हालांकि, यह गिरावट ज्यादा देर तक नहीं रही। निवेशकों ने जल्द ही इस खबर के सकारात्मक पहलू को समझा और खरीदारी शुरू हो गई। नतीजतन, सुबह 10:10 बजे तक शेयर फिर से 270 रुपए के करीब पहुंच गया।

एशियाई बाजार में पकड़ मजबूत करने की रणनीति

विशेषज्ञों के मुताबिक, रूस का यह कदम एशियाई बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। सस्ती LNG मिलने से एशियाई देशों के लिए यह बड़ा अवसर बन सकता है, खासकर ऐसे समय में जब ऊर्जा लागत चिंता का विषय बनी हुई है।

LNG सेक्टर के लिए मिल सकता है बूस्ट

एनर्जी एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर रूस इस तरह के डिस्काउंट ऑफर जारी रखता है, तो एशियाई देशों की LNG खरीद रणनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है।

मर्सिडीज-बेंज की बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में 7% बढ़कर 5,131 इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी।

जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की कुल बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 5,131 इकाई रही। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 4,775 वाहन बेचे थे। वित्त वर्ष 2025-26 मर्सिडीज-बेंज इंडिया के लिए अब तक का सबसे शानदार साल रहा, जिसमें कंपनी ने रिकॉर्ड 19,363 गाड़ियां बेचीं। कंपनी की कुल बिक्री में 27 प्रतिशत हिस्सा सर्वाधिक महंगे मॉडल (टॉप-एंड व्हीकल्स) का रहा, जिनकी कीमत 1.5 करोड़ रुपए से अधिक है।

|| श्री गणेशम्बिकाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

सीएसईबी दर्री प्लांट में इन दिनों मेंटेनेंस कार्य के लिए भेल का कैम्प लगा हुआ है और परिसर में करोड़ों के सामान रखे गए हैं। कुछ दिन पूर्व 200 मीटर पावर केबल की चोरी हो गई थी, जिस पर दर्री पुलिस ने अपराध क्रमांक 136/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। चोरी में संलिप्त तीन फरार आरोपियों को दर्री पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में विशाल राव उर्फ लाली, किशन कुमार गोंड़ एवं यश कुमार श्रीवास शामिल हैं। तीनों आरोपी कल्मीडुग्गु के हैं।

मोटर सायकिल चोरी करने वाले 02 नाबालिग गिरफ्तार

कोरबा/उरगा (दिव्य आकाश)।

उरगा पुलिस ने मोटर सायकिल के साथ 02 नाबालिग को गिरफ्तार किया है। उरगा निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी मोटर सायकिल क्रमांक सीजी-बीएफ 9935 होण्डा साईन को वाहन स्टैण्ड से चोरी कर ली गई। पुलिस ने इस मामले में 02 नाबालिग को गिरफ्तार किया है, साथ ही उनके पास से मोटर सायकिल भी जब्त कर ली है।

सूने घर में चोरी के मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार, 02 नाबालिग भी शामिल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सिविल लाईन रामपुर के अधीनस्थ सीएसईबी पुलिस चौकी अंतर्गत पीपर पारा कोहड़िया निवासी हंसराज खाण्डे अपने परिवार सहित 01 अप्रैल से 06 अप्रैल तक बाहर गया हुआ था, इस बीच उसके घर की दुकान के गुल्लक में रखे नकदी एवं 35 किलो चावल, एक गैस सिलेण्डर एवं होम थियेटर की चोरी हो गई थी, पुलिस ने मामला दर्ज कर पतासाजी की, जिसमें बरपारा कोहड़िया निवासी गणेश चौहान सहित दो नाबालिग को गिरफ्तार किया गया।

पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल हुए परम विभूषण सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सहायक इकाइयों के रूप में उद्योगों का समर्थन करते हैं, जिससे देश के समग्र औद्योगिक विकास में भारी योगदान मिलता है। जिसका पूर्ण नियंत्रण एवं संचालन भारत सरकार के प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा किया जाता है। भारत सरकार द्वारा एमएसएमई काउंसिल इंडिया के केन्द्रीय अध्यक्ष द्वारा कोरबा जिले के प्रसिद्ध एवं समाजसेवी व्यक्तित्व पीएमजेएफ लायन डॉ.राजकुमार अग्रवाल को एमएसएमई का केन्द्रीय सदस्य का कार्यभार सौपा गया है। पीमएजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल द्वारा एमएसएमई के केन्द्रीय सदस्य के रूप में दिये गये अपने दायित्वों एवं लक्ष्यों को बेहतरीन रूप से संपन्न किया और इस विशेष योगदान के लिए नीति आयोग एवं जीवन जागृति सेवा संस्थान द्वारा पीमएजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल को परम विभूषण सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है।

5 अप्रैल 2026 को होटल ब्लू डायमंड कोरबा में आयोजित रीजन कान्फ्रेंस में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल, रीजन चेयरमेन पीएमजेएफ लायन कैलाश गुप्ता एवं पूर्व प्रान्तपालों व लायन सदस्यों की उपस्थिति में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल को नीति आयोग एवं जीवन जागृति सेवा संस्थान द्वारा प्रदत्त परम विभूषण सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस पर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने सभी लायन सदस्यों एवं नीति आयोग, जीवन जागृति सेवा संस्थान को इस सम्मान के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुये कहा कि समाज सेवा मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मुझे जो भी जिम्मेदारी एमएसएमई के केन्द्रीय सदस्य के रूप में सौपी गई है, मैं उसका निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करता रहूँगा।

उक्त समारोह में रीजन 1 के सभी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित समस्त लायन सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल को इस उपलब्धि के लिए बधाईयॉ व शुभकामनाए दी।

जनगणना 2027 : स्व-गणना 16 से 30 अप्रैल तक

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने दिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर कोरबा कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना का कार्य 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक किया जाना निर्धारित है। इस संबंध में जिले में विभिन्न माध्यमों से जागरूकता और प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

कोरबा जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि वे भारत सरकार, गृह मंत्रालय, जनगणना निदेशालय द्वारा विकसित एचएलओ एप्प के माध्यम से अपनी स्व-गणना स्वयं करें। एचएलओ एप में कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर से साइन इन कर जनगणना से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर जानकारी दर्ज कर सकता है। विवरण सबमिट करने के बाद प्राप्त होने वाला रिफरेन्स नम्बर प्रगणक को मकान सूचीकरण अवधि 01 मई से 30 मई 2026 के दौरान सत्यापन के लिए उपलब्ध कराना होगा। इस प्रक्रिया से परिवारों का मकान सूचीकरण और मकानों की गणना कम समय में पूर्ण हो सकेगी।

डिजिटल माध्यम से जनगणना करने पर सरकार को अधिक सटीक और गुणवत्तापूर्ण आंकड़े प्राप्त होंगे। स्व-गणना के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अधिकाधिक नागरिकों को भ्स्व् ।चच के माध्यम से स्व-गणना करने के लिए प्रेरित करें। जनगणना जनसांख्यिकी, आर्थिक गतिविधि, साक्षरता और शिक्षा, आवास और घरेलू सुविधाएं, शहरीकरण, प्रजनन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, भाषा, धर्म, प्रव्रजन, दिव्यांगता सहित अनेक सामाजिक और सांख्यिकी आंकड़ों का सबसे विश्वसनीय स्त्रोत है।

जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के समुचित वितरण और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिए आधार बनते हैं। जनगणना 2027 दो चरणों में संचालित होगी। प्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना वर्ष 2026 में होगी, जिसमें मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं और परिसंपत्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं संकलित की जाएंगी। यही आगे की जनसंख्या गणना के ढांचे का आधार बनती हैं।

द्वितीय चरण वर्ष 2027 में जनसंख्या की गणना का है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण एक निश्चित संदर्भ दिनांक और समय के अनुसार दर्ज किया जाएगा।

जनगणना 2027 में सेंसस 2027-एचएलओ मोबाइल एप का उपयोग करते हुए डिजिटल डेटा संग्रहण एक बड़े परिवर्तन के रूप में शामिल किया गया है। इस बार पहली बार स्व-गणना की सुविधा भी आरंभ की जा रही है। प्रगणकों को स्व-गणना के माध्यम से भरे गए डाटा की जाँच कर पुष्टिकरण सुनिश्चित करना होगा।

कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में अधिक से अधिक भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

कुरूडीह में अंधेरा:ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला, सब इंजीनियर पर गिरी गाज

कलेक्टर ने लिया संज्ञान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ग्राम कुरुडीह के ग्रामीणों ने कलेक्टर कुणाल दुदावत से मिलकर बताया कि उनके गाँव का ट्रांसफार्मर लंबे समय से खराब है। विद्युत विभाग को बार-बार शिकायत देने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया, जिससे पूरे गाँव में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन माह से ट्रांसफार्मर खराब है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सुधार या प्रतिस्थापन की कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों की शिकायत को कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग के ईई रोशन वर्मा को त्वरित आवश्यक निर्देश जारी किए। कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम कुरुडीह में नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। लंबे समय तक लापरवाही बरते जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराज़गी व्यक्त की और ईई को निर्देशित किया कि भैसमा वितरण केंद्र अंतर्गत सब इंजीनियर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

14 अप्रैल को बाबा गंगाराम कृपा महोत्सव पीली कोठी में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

14 अप्रैल 2026 को संध्या 5.30 बजे झुंझुनूवाले श्री बाबा गंगाराम कृपामहोत्सव का आयोजन श्री बाबा गंगाराम सेवा समिति कोरबा द्वारा किया जा रहा है। आटो सेंटर कोरबा के संचालक एवं समिति के डायरेक्टर पवन अग्रवाल एवं संजय अग्रवाल ने इस पावन धार्मिक आयोजन में शामिल होने की अपील की है। पवन अग्रवाल ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में कोलकाता के प्रसिद्ध धार्मिक गीतकार केशोव मधुकर को आमंत्रित किया गया है।

महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का ई-केवाईसी अनिवार्य, कलेक्टर ने समय पर प्रक्रिया पूर्ण कराने की अपील की

कोरबा (दिव्य आकाश)। राज्य शासन के निर्देशानुसार महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पंजीकृत सभी हितग्राहियों का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है। योजना का लाभ प्राप्त कर रही सभी पात्र महिलाएं यह सुनिश्चित करें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना ई-केवाईसी अवश्य पूर्ण करा लें।

ई-केवाईसी की प्रक्रिया 30 जून 2026 तक शिविरों के माध्यम से की जाएगी। जिन हितग्राहियों का ई-केवाईसी इस अवधि में पूर्ण नहीं हो पाएगा, उनके लिए 01 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक संबंधित परियोजना कार्यालयों में विशेष व्यवस्था की जाएगी।

ई-केवाईसी के माध्यम से हितग्राहियों की पहचान एवं विवरण का सत्यापन किया जाएगा, जिससे योजना का लाभ केवल वास्तविक और पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी एवं सुचारू रूप से पहुंचाया जा सके। यदि कोई हितग्राही निर्धारित समयावधि में ई-केवाईसी नहीं कराता/कराती है, तो भविष्य में मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा सकता है अथवा भुगतान अस्थायी रूप से रोका जा सकता है।

जिले के सभी हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम निर्धारित केंद्र जैसे सीएससी, लोक सेवा केंद्र या आंगनवाड़ी केंद्र में जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित समय पर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करें, ताकि योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

महत्वपूर्ण जानकारी -महिला एवं बाल विकास के कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि ई-केवाईसी पूरी तरह निःशुल्क है, अतः किसी भी प्रकार का शुल्क न दें। हितग्राही आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आएं। 30 जून 2026 तक शिविरों में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। 1 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संबंधित परियोजना कार्यालयों में ई-केवाईसी की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com